

पत्रावली राजस्य लोम अदालत के मय  
पत्रपदरा में पेश हुई।

वारी ने अपने वाद पत्र में  
साक्षीय रूप से जादिर मिया की  
जौजा पत्रपदरा के खेत खतवा  
नं० 559 रकबा 14 बीघा ख० नं०  
885/555 रकबा 07 बीघा कुल  
रकबा 30 बीघा ख० नं० 895/585

रकबा 26 बीघा जौजा पत्रपदरा में  
सरहद में स्थित है, ख० नं०  
559 व ख० नं० 585/555 कुल  
वारी व जेरे आड़ियों की खेतदारी  
का है। उक्त आराजी में उत्तियादी

सरख्य 1 के नाम उत्तियादी लख  
1 व 2 ने राजस्य आधेनामि से  
मिल कर गलत तौर से ख० नं०  
895/585 अपने नाम पत्र उत्तियादी

सरख्य 1 के नाम राजस्य आधेलेख  
में बिना कटजा होते हुए तामील  
करवा दी। उत्तियादी लख 1 व 2 ने  
उक्त खिरका में आशय है यदि  
होता कर दिया तो वारी को अत्याधिक  
नुकसान होगा जिन्ही सातिद्वारे रोक  
में नहीं होगा अतः वारी ने वाद पत्र  
में अपने हम हितों हेतु निवेदन  
किया।

वारी श्री नारायणराम पुत्र मनाराम  
व उत्तियादीजन सरख्य - 1 व 2

ने आपनी राजीनामा पेश कर  
सध्माती जादिर की उत्तिवादीशय  
गरा विवादित आकापी मे २०  
घोश के भीतर उम्मा इति कथन  
हयान हेतु आपनी राजनीमा लप  
किया गया।

अता नारी का वाद आपनी  
राजीनामा होने से वाद खारिज  
किया जाता है।

पत्रानली प्लेजल सुभार होकर  
शारीर दफतर हो।

आदेश न्याय आचम उर के प्य  
पचपदरा के उनाया गया।

(भागीस्थ राम)

न अधिकारी लोक अदालत/कोर्ट कैम्प- 2018  
उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर  
बालोतरा कैम्प.....